नवोन्मेष

रुक्टा (राष्ट्रीय)

सार्ध शती वर्ष
(1863-2013)

राजस्थान विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालय शिक्षक संघ (राष्ट्रीय)

website: www.ructarashtriya.org **Email:** info@ructarashtriya.org

केन्द्रीय कार्यालय : देराश्री शिक्षक सदन, राजस्थान विश्वविद्यालय परिसर, जयपुर-302004
प्रधान कार्यालय : राजकीय महाविद्यालय, **अजमेर-305 001** (राज.)
अध्यक्ष : डॉ. मधुर मोहन रंगा, अजमेर (0145) 2429341, मो. 9414008425
महामंत्री : डॉ. नारायणलाल गुप्ता, अजमेर मो. 9414497042

परिपत्र क्रमांक : रुक्टा (रा.)/2012-13/05 **दिनांक: 4 अप्रेल, 2013**
(सभी इकाई सचिवों एवं सक्रिय सदस्यों को समस्त सदस्यों में प्रसारित करने के अनुरोध सहित प्रेषित)

''मैंने विवेकानंद द्वारा सृजित साहित्य का आद्योपांत अध्ययन किया है और तत्पश्चात् अपने देश के प्रति मुझ में जो प्रेम था, वह हजार गुणा बढ़ गया है।''
- महात्मा गाँधी

प्रिय महोदय/महोदया,

सादर नमस्कार!

सर्वप्रथम आप सभी को भारतीय नववर्ष विक्रम संवत् २०७० युगाब्द ५११५ के पावन शुभारंभ के अवसर पर अनेकानेक शुभकामनाएं। ईश्वर से यही प्रार्थना है कि यह वर्ष हम सबके, समाज एवं राष्ट्र के लिए मंगलकारी हो।

गत परिपत्र के पश्चात् विधानसभा पर शिक्षकों की विभिन्न लम्बित मांगों को लेकर संगठन द्वारा किये गए विशाल प्रदर्शन का विवरण, उच्च शिक्षा मंत्री, नेता प्रतिपक्ष व विधायकों से संगठन की वार्ता, प्रांतीय कार्यकारिणी द्वारा विभिन्न समितियों, प्रकोष्ठों एवं विभागीय समितियों के गठन, शैक्षिक महासंघ की राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक के विवरण, 25 अप्रेल को संसद के समक्ष धरने की सूचना एवं अन्य जानकारियों के साथ यह परिपत्र प्रेषित है।

1. **11 मार्च को विधानसभा पर विशाल प्रदर्शन :** रुक्टा (रा.) के आह्वान पर 11 मार्च 2013 को राज्य भर के महाविद्यालय व विश्वविद्यालय शिक्षकों ने अपनी विभिन्न लम्बित मांगों को लेकर विधानसभा के समक्ष जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शन में राज्य भर के सभी जिलों का प्रतिनिधित्व 560 से अधिक शिक्षकों ने भाग लेकर किया। लम्बे समय से शिक्षकों की मांगों एवं समस्याओं का समाधान नहीं होने के चलते प्रदर्शन में शिक्षकों ने नारे लगाकर सरकार के प्रति गहरी नाराजगी एवं गुस्सा प्रकट किया। संगठन के अध्यक्ष डॉ. मधुर मोहन रंगा ने शिक्षकों को संबोधित करते हुए कहा कि सरकार से लगातार वार्ता करने, पत्र लिखने व व्यक्तिशः मिलने के बाद भी सरकार के उपेक्षापूर्ण व्यवहार के चलते विभिन्न लम्बित मांगों का निराकरण नहीं होने के कारण संगठन को यह कदम उठाना पड़ा। साथ ही 21-12-2012 को सचिवालय में सम्पन्न बैठक में राजस्थान शिक्षा सेवा (महाविद्यालय शाखा) नियम 1986 परिशिष्ट 2 में वर्णित निदेशक पद को विलोपित करने, महाविद्यालय शिक्षकों के पदनाम परिवर्तन नहीं करने व सी. ए. एस. का लाभ यू. जी. सी. की अनुशंसा अनुरूप देने के बजाय राज्य सरकार की अधिसूचना के आधार पर ही दिये जाने जैसे लिए गए निर्णयों ने पहले से ही आक्रोशित शिक्षकों में और अधिक रोष उत्पन्न कर दिया। महामंत्री ने बताया कि महाविद्यालय शिक्षकों के पदनाम परिवर्तन यू.जी.सी. एवं एम.एच. आर. डी. की अनुशंसा के अनुसार असिस्टेंट प्रोफेसर एवं एसोसिएट प्रोफेसर करने, विश्वविद्यालय एवं

महाविद्यालय शिक्षकों की नवीन यू.जी.सी. वेतनमान में शेष रही एरियर राशि शीघ्र निर्गत करने, महाविद्यालय शिक्षा में स्थायी निदेशक व अतिरिक्त निदेशक (प्रशासनिक) की नियुक्ति शिक्षकों में से ही करने, सीनियर व सलेक्शन स्केल हेतु पात्र शिक्षकों की डी.पी.सी. अविलम्ब करने, सी.ए. एस. का लाभ सभी शिक्षकों को यू.जी.सी. की अनुशंसानुसार ही देने, वरिष्ठ एवं चयनित वेतनमानों की पात्रता में पूर्व/अन्यत्र की गयी सेवा का समावेश करने, लोकसेवा आयोग से चयनित शिक्षकों को परिवीक्षा काल के प्रारम्भ से ही स्थाई सेवा के सम्पूर्ण परिलाभ देने, राज्य के विश्वविद्यालय शिक्षकों की विभिन्न मांगों का समाधान करने एवं विश्वविद्यालयों को पूर्ण वित्तीय स्वायत्तता देने, आर. वी. आर. ई. एस. प्राध्यापकों के यू.जी.सी. वेतनमान की एरियर राशि, पूर्व संचित अवकाश, वेतन नियतन संबंधित समस्याओं का समाधान करते हुए उन्हें राजकीय सेवा के सम्पूर्ण परिलाभ देने, विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालय के शिक्षकों की सेवानिवृत्ति आयु 65 वर्ष करने, पीएच.डी./एम.फिल की अग्रिम वेतन वृद्धियों को प्रोत्साहन माना जाने व पुनः वसूली गई राशि को शिक्षकों को लौटाने, सेवानिवृत्त शिक्षकों की पैंशन का पुनः निर्धारण करने, पुस्तकालयाध्यक्षों व शारीरिक शिक्षकों की विभिन्न समस्याओं का निराकरण करने, शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालयों के प्राध्यापकों को यू.जी.सी. वेतनमान देने, विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों में शैक्षणिक एवं अशैक्षणिक रिक्त पदों को अविलम्ब भरने, राज्य के विधि महाविद्यालयों को स्वतंत्र महाविद्यालयों का दर्जा प्रदान कर पृथक कैडर सृजन के साथ प्राचार्य व उपाचार्य के पदों पर पदस्थापन व बजट का आवंटन करने, सेवारत शिक्षकों को पीएच.डी. उपाधि हेतु कोर्सवर्क से मुक्त करने, गैर अनुदानित शिक्षकों के वेतन, वेतनमान व सेवा शर्तों संबंधी प्रावधान विश्वविद्यालय अधिनियमों, शिक्षा अधिनियमों तथा गैर राजकीय संस्था अधिनियम में यथोचित संशोधन कर लागू करने, यू.जी.सी. वेतनमान योजना के प्रावधानों के अनुरूप स्टेपिंगअप की व्यवस्था करने, संविदा पर नियुक्त शिक्षकों को यू.जी.सी. द्वारा अनुशंसित न्यूनतम वेतन देने व राज्य में उच्च शिक्षा संवर्ग का गठन करने सहित अन्य मांगों/समस्याओं का काफी समय से समाधान नहीं होने के कारण संगठन को जनप्रतिनिधियों एवं सरकार का ध्यान आकर्षित करने, विरोध प्रकट करने तथा अपने अधिकारों को प्राप्त करने के लिए विधानसभा के समक्ष विवश होकर प्रदर्शन करना पड़ा है।

2. **उच्च शिक्षा मंत्रीजी से विधानसभा में संगठन प्रतिनिधियों की वार्ता :** प्रदर्शन के दौरान विधानसभा सचिवालय में उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. दयारामजी परमार से संगठन के प्रतिनिधि मंडल ने विभिन्न विषयों पर विस्तार से चर्चा कर संगठन का पक्ष रखा एवं मांगों के संबंध में विस्तृत ज्ञापन प्रस्तुत किया। ज्ञापन की प्रति संलग्न है। महाविद्यालय शिक्षकों के पदनाम परिवर्तन करने, यू.जी.सी. वेतनमान की शेष रही एरियर राशि निर्गत करने, निदेशक पद पर शिक्षक की नियुक्ति, वरिष्ठ एवं चयनित वेतनमान हेतु संवीक्षा करने, पूर्व सेवा का लाभ देने, परिवीक्षा काल के प्रारम्भ से ही सम्पूर्ण परिलाभ देने, सेवानिवृत्ति आयु 65 वर्ष करने, विश्वविद्यालयों को वित्तीय स्वायत्तता देने, सेवारत शिक्षकों को पीएच.डी. हेतु कोर्सवर्क से मुक्ति, आर. वी. आर. ई. एस. के प्राध्यापकों को बकाया एरियर व अन्य लाभ देने, अतिरिक्त वेतन वृद्धियों को प्रोत्साहन राशि मानने, पेंशन पुनः निर्धारण करने, पुस्तकालयाध्यक्षों व शारीरिक शिक्षकों की समस्याओं को हल करने, स्टेपिंगअप की व्यवस्था करने, संविदा शिक्षकों को न्यूनतम वेतन प्रदान करने, स्वतंत्र विधि महाविद्यालयों की स्थापना करने, शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालयों के शिक्षकों को यू.जी.सी. वेतनमान देने आदि प्रमुख विषयों पर मंत्रीजी से चर्चा की गई। डॉ. परमारजी के समक्ष उपर्युक्त मांगों के समर्थन एवं प्रमाण में विभिन्न दस्तावेज भी प्रस्तुत किये गये। मंत्रीजी ने सभी समस्याओं को ध्यानपूर्वक सुनकर पदनाम परिवर्तन व यू.जी.सी. एरियर की राशि को शीघ्र दिलाने का आश्वासन दिया। उन्होंने वरिष्ठ एवं चयनित वेतनमान की संवीक्षा अभी तक लम्बित होने पर आश्चर्य प्रकट करते हुए इसे शीघ्र सम्पन्न कराने की बात कही तथा अन्य लम्बित मांगों के बारे में जल्दी ही सकारात्मक निर्णय लेने का मंतव्य प्रकट किया। प्रतिनिधि मंडल में शैक्षिक महासंघ के महामंत्री प्रो. जे.पी. सिंघल, संगठन अध्यक्ष डॉ. मधुर मोहन रंगा, महामंत्री, संगठन मंत्री डॉ. ग्यारसीलाल जाट, उपाध्यक्ष (वि.वि.) प्रो. एन. के. पाण्डेय, उपाध्यक्ष (राजकीय) डॉ. दीपक शर्मा सम्मिलित थे।

3. **विधायकों द्वारा विधानसभा पर शिक्षकों की माँगों का समर्थन व सम्बोधन :** शिक्षकों की विभिन्न मांगों का समर्थन राजनैतिक दलों के विधायकों ने विधानसभा के भीतर एवं प्रदर्शन स्थल पर किया। प्रो. वासुदेवजी देवनानी ने शिक्षकों की लम्बित मांगों का समर्थन करते हुए सरकार से उनका त्वरित गति से निस्तारण करने की माँग की। डॉ. फूलचन्दजी भिण्डा ने कहा कि सरकार यू.जी.सी. की सम्पूर्ण योजना को लागू नहीं कर रही है, इसी कारण केन्द्र से आने वाली 80 प्रतिशत राशि का पुनर्भुगतान नहीं हो रहा है। उन्होंने मांग की कि सरकार शीघ्र यू.जी.सी. की सम्पूर्ण योजना को लागू करे। श्री प्रतापसिंहजी खाचरियावास ने कहा कि जब चुनाव घोषणा पत्र में राज्य के विश्वविद्यालय व महाविद्यालय शिक्षकों को यू.जी.सी. वेतनमान देने की बात कही गई थी तो उसे अविलम्ब लागू करना चाहिये। श्री ज्ञानदेवजी आहूजा ने कहा कि सरकार के लिए यह शर्म की बात है कि शिक्षकों को विवश होकर आज शिक्षा के मंदिरों को छोड़ सड़कों पर आकर सरकार से अपनी लंबित माँगों को पूरा करवाने के लिए प्रदर्शन करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि यदि सरकार संवेदनशील है तो उनकी समस्याओं का अविलम्ब निस्तारण करे।

4. **प्रदर्शन स्थल पर संगठन के पदाधिकारियों एवं शिक्षक प्रतिनिधियों द्वारा संबोधन :** रुक्टा (रा.) के आह्वान पर आयोजित हुए प्रदर्शन एवं मांगों का विस्तार से औचित्य प्रदर्शन स्थल पर अनेक शिक्षकों ने मंच से बताया। प्रदर्शन स्थल पर संबोधित करने वाले शिक्षकों में प्रमुख रूप में सहसंगठनमंत्री डॉ. दिग्विजयसिंह, चित्तौड़ संभाग संगठन मंत्री डॉ. नंदसिंह नरुका, अजमेर वि. वि. के प्रो. भगवती प्रसाद सारस्वत, संयुक्त सचिव (विश्वविद्यालय) डॉ. हीराराम, प्राचार्य एवं पूर्व उपाध्यक्ष प्रो. घनश्यामलाल, शैक्षिक प्रकोष्ठ संयोजक डॉ. राजेन्द्र शर्मा, पूर्व उपाध्यक्ष प्रो. पुखराज देपाल, डॉ. बिहारीलाल मीणा, प्रो. विष्णु गोयल शामिल थे। मंच संचालन संयुक्त सचिव डॉ. गंगाश्याम गुर्जर ने किया।

5. **उच्च शिक्षा मंत्री, नेता प्रतिपक्ष व विधायकों से वार्ता व सम्पर्क :** संगठन ने शिक्षकों की लम्बित मांगों के संबंध में उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. दयारामजी परमार से 9 मार्च को उनके आवास पर विस्तृत चर्चा कर सगंठन का रुख स्पष्ट किया। 8 मार्च को संगठन के शिष्ट मंडल ने नेता प्रतिपक्ष श्री गुलाबचन्दजी कटारिया, पूर्व शिक्षा राज्य मंत्री व वर्तमान विधायक प्रो. वासुदेवजी देवनानी, पूर्व शिक्षामंत्री व वर्तमान विधायक श्री घनश्यामजी तिवाड़ी, पूर्व शिक्षामंत्री व वर्तमान विधायक श्री कालीचरणजी सर्राफ, विधायक डॉ. फूलचन्दजी भिण्डा, श्री रामहेतजी यादव, श्री ओमजी बिड़ला, श्रीमती सूर्यकांताजी व्यास, श्री राजेन्द्रजी राठौड़, श्री ज्ञानदेवजी आहूजा, पूर्व विधायक श्री मदनजी दिलावर आदि से वार्ता कर विश्वविद्यालय व महाविद्यालय शिक्षकों की समस्याओं से अवगत कराया तथा उनसे सहयोग की अपेक्षा की। शिष्टमंडल में संगठन अध्यक्ष डॉ. मधुर मोहन रंगा, महामंत्री, संगठन मंत्री डॉ. ग्यारसीलाल जाट, उपाध्यक्ष डॉ. दीपक शर्मा तथा कार्यकारिणी सदस्य डॉ. संजीव त्यागी व डॉ. रामनिवास चौधरी सम्मिलित थे।

6. **संगठन द्वारा आभार :** संगठन ने 11 मार्च को आयोजित विशाल प्रदर्शन में प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से सहयोग प्रदान करने के लिए सभी का आभार व्यक्त किया है। संगठन ने विधायकों, पूर्व शिक्षा मंत्रियों, नेता प्रतिपक्ष व विभिन्न राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों के प्रति आभार व्यक्त किया है। साथ ही संगठन ने सभी कार्यकर्ताओं व प्रदर्शन में भाग लेने वाले शिक्षकों को धन्यवाद देते हुए आशा व्यक्त की है कि भविष्य में भी सभी का सहयोग संगठन को इसी प्रकार मिलता रहेगा।

7. **25 अप्रेल को शैक्षिक महासंघ का संसद पर शिक्षा-शिक्षकों की मांगों के संबंध में धरना :** शिक्षा एवं शिक्षकों की समस्याओं का समाधान केन्द्र सरकार द्वारा परस्पर संवाद के माध्यम से न होने की स्थिति में 25 अप्रेल को अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ को संसद के समक्ष धरना देने का निर्णय लेना पड़ा है। महासंघ द्वारा माननीय प्रधानमंत्रीजी को प्रस्तुत किये जाने वाले मांग पत्र के प्रमुख बिन्दु निम्न हैं - राष्ट्रीय अस्मिता, भारतीय जीवन मूल्यों, चरित्र निर्माण, शोध एवं नवाचार से युक्त सम्पूर्ण शिक्षा पद्धति की पुनः संरचना की जाए, शिक्षा

व्यवस्था के नियोजन, नियमन एवं नियंत्रण के लिए स्वायत्त नियामक शिक्षा आयोग बनाया जाये, सकल घरेलू उत्पाद का 15 प्रतिशत केन्द्र व राज्य सरकार शिक्षा पर व्यय करे, सम्पूर्ण देश की शिक्षा की स्वायत्तता बहाल की जाए, नि:शुल्क एवं अनिवार्य शिक्षा के अधिकार के प्रावधानों को व्यवहारिक बनाया जाए, प्राथमिक शिक्षा मातृभाषा में ही दी जाए, महाविद्यालय शिक्षकों के पदनाम परिवर्तित किये जाए, शिक्षा के बाजारीकरण पर नियंत्रण किया जाए, राष्ट्रीय वेतन नीति लागू की जाए, शिक्षकों की नियमित एवं स्थायी नियुक्ति की जाए, शिक्षकों की सेवानिवृत्ति आयु 65 वर्ष की जाए, 1-1-2004 से पूर्व की पेंशन योजना बहाल की जाए, संविदा शिक्षकों, अतिथि शिक्षकों के स्थायी चयन होने तक वेतन एवं सेवा शर्तों का निर्धारण किया जाए। सभी शिक्षक साथियों से धरने में अधिकाधिक संख्या में भाग लेने का आग्रह करते हुए विश्वास है कि 11 मार्च 2013 को विधानसभा पर प्रदर्शन में जिस प्रकार आप सभी का सहयोग रहा है, उसी प्रकार 25 अप्रेल 2013 को संसद भवन पर धरने में आपकी उपस्थिति सरकार से मांगों को मनवाने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करेगी तथा संगठन को बल प्रदान करेगी।

8. **शैक्षिक महासंघ की राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक जलगाँव में सम्पन्न :** शैक्षिक महासंघ की राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक 23-24 फरवरी, 2013 को जलगांव महाराष्ट्र में महासंघ के अध्यक्ष डॉ. विमलप्रसादजी अग्रवाल की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में गत राष्ट्रीय कार्यकारिणी की कार्यवाही का अनुमोदन किया गया तथा वार्षिक आय-व्यय का विवरण व राज्यश: कार्यवृत प्रस्तुत किया गया। बैंगलूरु में सम्पन्न पंचम् राष्ट्रीय अधिवेशन, राष्ट्रीय संगोष्ठियों एवं समर्थ भारत प्रतियोगिता की समीक्षा की गई। आगामी वार्षिक कार्ययोजना पर चर्चा कर उसे अन्तिम रूप दिया गया। 25 अप्रेल 2013 को जन्तर-मंतर, नई दिल्ली पर शिक्षा-शिक्षकों की समस्याओं को लेकर दिये जाने वाले धरने के कार्यक्रम के बारे में विस्तार से विचार विमर्श किया गया तथा उस समय सरकार को प्रस्तुत किए जाने वाले 15 सूत्रीय मांगपत्र पर चर्चा कर अंतिम रूप दिया गया। मुक्त चिंतन में प्रतिभागियों ने संगठन विस्तार, प्रवास एवं संभाल आदि विषयों पर महत्वपूर्ण सुझाव दिये। बैठक में महामंत्री सहित राज्य से चार प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

9. **प्रांतीय कार्यकारिणी बैठक सम्पन्न :** प्रान्तीय कार्यकारिणी बैठक दिनांक 17 फरवरी 2013 को देराश्री शिक्षक सदन जयपुर में संगठन अध्यक्ष की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। महामंत्री ने गत बैठक का विवरण प्रस्तुत किया जिसे सर्वसम्मति से अनुमोदित किया गया। महामंत्री ने गत बैठक के बाद संगठन की गतिविधियों के बारे में बताया तथा 28 जनवरी को प्रमुख शासन सचिव (उच्च शिक्षा) श्री राजीव स्वरूप व मुख्य सचिव श्री सी. के. मैथ्यू से संगठन के प्रतिनिधिमंडल द्वारा की गई भेंट वार्ता की विस्तृत जानकारी दी। गत 21-12-2012 को सचिवालय में आयोजित बैठक में व्यापक शिक्षक हित के विपरीत किए गए निर्णयों का विवरण देते हुए बताया कि सरकार महाविद्यालय शिक्षकों के पदनाम परिवर्तन नहीं करना चाहती, निदेशक पद पर शिक्षक के स्थान पर आई.ए.एस. अधिकारी की स्थायी नियुक्ति करने हेतु नियमों में परिवर्तन करना चाहती है, यू.जी.सी. की अनुशंसा के अनुरूप सी. ए. एस. देने के बजाय समय-समय पर सरकार द्वारा जारी अधिसूचना के आधार पर देने का मंतव्य रखती है। महामंत्री ने बताया कि ऐसे नकारात्मक निर्णयों से उपजे शिक्षक आक्रोश एवं संगठन के दृष्टिकोण को मुख्य सचिव के समक्ष स्पष्ट रूप से रखा। पदनाम एवं सी.ए. एस. संबंधी यू.जी.सी. व एम.एच.आर.डी. के पत्र भी प्रतिनिधिमंडल ने अधिकारियों को दिये। कार्यकारिणी के सभी सदस्यों की राय थी कि आगामी विधानसभा सत्र में शिक्षकों की लम्बित माँगों को लेकर विधान सभा पर प्रदर्शन किया जाना चाहिये। तिथि का निर्धारण अध्यक्ष व महामंत्री करेंगें, यह निर्णय लिया गया। कार्यकारिणी द्वारा संगठन कार्य के सुचारु संचालन हेतु विभिन्न समितियों, प्रकोष्ठों एवं विभागीय समितियों का भी गठन किया गया। अलवर के हमारे साथी डॉ. सत्येन्द्र शर्मा के आकस्मिक निधन पर 2 मिनिट का मौन रख श्रद्धांजलि दी गई। अध्यक्षजी को धन्यवाद के साथ बैठक सम्पन्न हुई।

10. **विभागीय समितियों, प्रकोष्ठों व अन्य समितियों का गठन :** प्रान्तीय कार्यकारिणी ने संघ के संविधान के अन्तर्गत किये गए प्रावधानों के अनुरूप तथा विभिन्न इकाईयों, सदस्यों एवं कार्यकारिणी के मध्य सतत् सम्पर्क बनाए रखने हेतु विभिन्न प्रकोष्ठों, समितियों तथा विभागीय समितियों का गठन किया है। जो इस प्रकार है -

विभागीय समितियाँ

क्रं.	विभाग	अध्यक्ष	सचिव	सहसचिव	महिला प्रतिनिधि
1.	धौलपुर-भरतपुर	प्रो. जग्गोसिंह भरतपुर	डॉ. मनोजकुमार धौलपुर	डॉ. नवनीत शर्मा बयाना	डॉ. अल्का गोयल भरतपुर
2.	जयपुर	प्रो. सीताराम पारीक सांभर	प्रो. विजय गोयल कालाडेरा	डॉ. अर्चना वर्मा चिमनपुरा	डॉ. मृदुला चतुर्वेदी चिमनपुरा
3.	सवाईमाधोपुर-करौली-टोंक	डॉ. देवीसिंह सवाईमाधोपुर	डॉ. के.एल. गुर्जर टोंक	डॉ. सोहराब शर्मा करौली डॉ. बिहारीलाल मीणा सवाईमाधोपुर	डॉ. रविबाला गोयल गंगापुर
4.	दौसा-अलवर	डॉ. शशिकांत गुप्ता अलवर	डॉ. महावीर कुमावत कोटपुतली	प्रो. कर्मवीर अलवर डॉ. अरुण रघुवंशी राजगढ़	डॉ. ऋतु गुप्ता अलवर
5.	सीकर-झुंझुंनु-चुरु	डॉ. रामावतार जाट चुरु	डॉ. चेतन जोशी सीकर	डॉ. देवीशंकर शर्मा सरदारशहर	डॉ. पुष्पा चौधरी सीकर
6.	श्रीगंगानगर-हनुमानगढ़	डॉ. रामसिंह राजावत हनुमानगढ़	प्रो. श्यामलाल श्रीगंगानगर	डॉ. अन्नाराम श्रीगंगानगर	डॉ. रजनी वशिष्ठ श्रीगंगानगर
7.	बीकानेर-नागौर	डॉ. मोइनुद्दीन बीकानेर	डॉ. अतुल शर्मा नागौर	डॉ. ओ.पी. शर्मा डीडवाना	डॉ. स्मिता जैन नोखा
8.	जोधपुर-बाड़मेर जैसलमेर	डॉ. गोविन्द पुरोहित जोधपुर	डॉ. लक्ष्मीनारायण नागौरी, जैसलमेर	डॉ. बलवीर चौधरी पीपाड़सिटी प्रो. मो. लुकमान मोदी बालोतरा	डॉ. जया दवे जोधपुर
9.	पाली-जालोर-सिरोही	श्री बीरबल राम पाली	डॉ. ओ.पी. देवासी पाली	डॉ. संदीप शर्मा भीनमाल डॉ. संजय पुरोहित, सिरोही	डॉ. दीप्ति चतुर्वेदी सोजत
10.	राजसमंद-चितौड़-उदयपुर	डॉ. शिवसिंह दुलावत	डॉ. चन्द्रशेखर शर्मा चितौड़	डॉ. पीयूष शर्मा चितौड़ डॉ. अशोक सोनी, नाथद्वारा	डॉ. प्रेमलता स्वर्णकार उदयपुर
11.	डुंगरपुर-बांसवाड़ा	डॉ. महिपालसिंह बांसवाड़ा	डॉ. दीपक शाह बांसवाड़ा	डॉ. प्रमोद वैष्णव बासवांड़ा डॉ. मनोज बहरवाल, डुंगरपुर	
12.	अजमेर-भीलवाड़ा	डॉ. पुखराज देपाल ब्यावर	डॉ. कश्मीर भट्ट भीलवाड़ा	डॉ. पोरसकुमार केकड़ी डॉ. अनुराग शर्मा, किशनगढ़	डॉ. बीना सक्सेना भीलवाड़ा
13.	कोटा-बून्दी-झालावाड़	डॉ. बी. के. योगी कोटा	डॉ. गीताराम शर्मा झालावाड़	डॉ. बी.एल. जांगिड़ बारां डॉ. राहुल सक्सेना, बूंदी	डॉ. मीनू महेश्वरी कोटा

शैक्षिक प्रकोष्ठ :- संयोजक - डॉ. राजेन्द्र शर्मा-पाली, **सदस्य** - डॉ. राजकुमार चतुर्वेदी-भीलवाड़ा, डॉ. कमलसिंह कोठारी-सुजानगढ़, डॉ. इन्द्रसिंह राजपुरोहित-बीकानेर, डॉ. अनिल गुप्ता-देवली, डॉ. दिनेशचंद्र शर्मा-सवाईमाधोपुर, डॉ. अरुण दवे-भीनमाल, प्रो. सी. पी. गौड़-नीम का थाना, डॉ. हरिसिंह राजपुरोहित-जालोर, प्रो. गणेश निनामा-डूंगरपुर,

कृषि प्रकोष्ठ - संयोजक - प्रो. भगतसिंह-चिमनपुरा, **सदस्य** - डॉ. विजयसिंह-सवाईमाधोपुर, डॉ. सीताराम कुमावत-चिमनपुरा, डॉ. धीरेन्द्रसिंह-सवाईमाधोपुर,

शिक्षक प्रशिक्षण प्रकोष्ठ - संयोजक - प्रो. अशोक सिडाना-जयपुर, **सदस्य** - प्रो. मुदित राठौड़-जामडोली, डॉ. जितेन्द्र शर्मा-भोपालगढ़, डॉ. सुमनबाला-अजमेर।

विधि प्रकोष्ठ - संयोजक - प्रो. उषा यादव-अलवर, **सदस्य** - डॉ. श्योराजसिंह परमार-भरतपुर, डॉ. रमाकांत दीक्षित-नागौर, डॉ. दिलखुश-सीकर।

प्रचार प्रकोष्ठ - संयोजक - डॉ. मानवेन्द्र चतुर्वेदी **सदस्य** - प्रो. मुकेश व्यास-चित्तौड़, डॉ. सुब्रत शर्मा-कोटा, डॉ. पुष्पेन्द्रसिंह-बीकानेर, डॉ. बी.एल. जागेटिया-भीलवाड़ा, प्रो. अनिल दाधीच-सीकर, प्रो. एस. एन. गर्ग-झालावाड़, प्रो. योगेन्द्रभानु-भरतपुर, प्रो. देवाराम-पाली, प्रो. मनरूपसिंह मीणा-सुजानगढ़, डॉ. भवानीशंकर शर्मा-चुरु, डॉ. हरसुख छरंग-नागौर, डॉ. मधु सुलतानिया-दौसा, डॉ. बालूदान बारहठ-उदयपुर, डॉ. धनंजय द्विवेदी-बारां, डॉ. महावीर यादव-अलवर, डॉ. संजय लक्की-डूंगरपुर।

राजकीय महाविद्यालय समिति - अध्यक्ष - डॉ. दीपक शर्मा-खेतड़ी, **सचिव** - डॉ. गंगाश्याम गुर्जर-अलवर, **सदस्य** - प्रो. मुरालीलाल गुप्ता-कोटपुतली, डॉ. बी. के. गुप्ता-डीग, डॉ. शंकरलाल शर्मा-खैरवाड़ा, प्रो. जे.पी. चौधरी-झुंझुंनु, डॉ. कैलाश शर्मा-डीडवाना, डॉ. प्रमोद शर्मा-बारां, डॉ. रमेश अग्रवाल-कोटपुतली, डॉ. उम्मेदसिंह गोदारा-बाड़मेर, डॉ. हनुमान सहाय-बांदीकुई, डॉ. अशोक गुप्ता-कोटा, डॉ. मदनसिंह पूनिया-सीकर, डॉ. घनश्यामलाल-अलवर, डॉ. मूलचन्द माली-बीकानेर, प्रो. के. बी. भारतीय-झालावाड़, डॉ. सत्यनारायण स्वामी-सीकर, डॉ. आर. एस. राठौड़-टोंक, प्रो. बाबूलाल अग्रवाल-सागवाड़ा, डॉ. पुरुषोत्तम सिंह-गंगापुरसिटी, प्रो. संतोषानंद-भीलवाड़ा, प्रो. जगदीश शर्मा-शाहपुरा, डॉ. के. बी. बंसल-झालावाड़, प्रो. एस. एन. गुप्ता-उदयपुर, डॉ. कैलाश शर्मा-डीडवाना, डॉ. पूरणसिंह चौधरी-अलवर, डॉ. एस. के. शर्मा-अजमेर, डॉ. एम. एल. गोयल, अलवर, डॉ. नरेश अग्रवाल-चित्तौड़, डॉ. एस. एन. राकेचा-बालोतरा।

सेवानिवृत्त शिक्षक प्रकोष्ठ - संयोजक - प्रो. आर. एल. मिश्रा-सीकर, **सदस्य** - डॉ. रामकरण शर्मा-जयपुर, डॉ. श्यामसुन्दर भट्ट-भीलवाड़ा, डॉ. ओ. पी. गर्ग-कोटा, डॉ. के. एल. बोहरा-सिरोही, डॉ. वी. के. वशिष्ठ-जयपुर, डॉ. एन. के. सोनी-बीकानेर।

विश्वविद्यालय समिति - अध्यक्ष - प्रो. एन. के पाण्डे-जयपुर, **सचिव** - डॉ. हीराराम-जोधपुर **सदस्य** - डॉ. भगवती प्रसाद सारस्वत-अजमेर, प्रो. सुरेश राजोरा-कोटा, डॉ. ललित गुप्ता-जोधपुर, डॉ. जी. एस. कुम्पावत-उदयपुर, डॉ. एम. के. जैन-उदयपुर, डॉ. राजीव सक्सेना-जयपुर, डॉ. चन्द्रशेखर-जोधपुर, डॉ. गेमराराम-जोधपुर, डॉ. रवीन्द्र पालीवाल, कृषि उदयपुर, डॉ. पी. के. शर्मा, खुला विश्वविद्यालय-कोटा, डॉ. ईनाक्षी चतुर्वेदी-जयपुर, डॉ. सुरेश अग्रवाल-बीकानेर, डॉ. आशीष पारीक-अजमेर, डॉ. अखिलरंजन गर्ग-जोधपुर, डॉ. सुनील परिहार-जोधपुर, प्रो. ए. के. गुप्ता-जोधपुर।

स्थायी आमंत्रित - कार्यकारिणी ने रुक्टा (रा.) के पूर्व अध्यक्षों एवं पूर्व महामंत्रियों डॉ. विमल प्रसाद अग्रवाल, प्रो. जे. पी. सिंघल, प्रो. संतोष पांडे, डॉ. धर्मचन्द, प्रो. पी. एल. चतुर्वेदी सहित डॉ. दुर्गाप्रसाद अग्रवाल, प्रो. कुमकुम कपूर, डॉ. फूलचन्द भिण्डा को स्थायी आमंत्रित रखा है।

कार्यकारिणी के पदों पर मनोनयन - कार्यकारिणी बैठक में प्रान्तीय अधिवेशन, जोधपुर में रिक्त रखे गये कतिपय दायित्वों पर मनोनयन किया गया। इनमें निजी क्षेत्र से उपाध्यक्ष पद पर प्रो. राम किशोर शर्मा-जयपुर तथा निजी क्षेत्र से संयुक्त सचिव पद पर डॉ. योगेश गुप्ता जयपुर का मनोनयन किया गया। इसके अतिरिक्त डॉ. कमल मिश्रा-थानागाजी को देराश्री शिक्षक सदन प्रभारी, डॉ. एस. के. बिस्सू-अजमेर को प्रधान कार्यालय मंत्री, प्रो. विष्णु गोयल-पॉलिटेक्निक महाविद्यालय-जयपुर, डॉ. विनोद शर्मा-संस्कृत विश्वविद्यालय-जयपुर, डॉ. महेन्द्र गोखरु, जालोर को विशेष आमंत्रित रखा गया है।

11. **तेरहवीं विधानसभा में शिक्षकों की विभिन्न मांगों की गूंज :** तेरहवीं विधानसभा के दसवें सत्र में शिक्षकों की विभिन्न मांगों को विधायकों ने जोरशोर से उठाया। 11 मार्च को विधायक श्री कालीचरणजी सर्राफ व डॉ. फूलचन्दजी भिण्डा ने विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों की समस्याओं का समाधान नहीं होने से उत्पन्न स्थिति के संबंध में विधानसभा में स्थगन प्रस्ताव रखा। श्री कालीचरणजी ने कहा कि सरकार के उच्च

शिक्षा के प्रति उपेक्षापूर्ण व्यवहार के कारण शिक्षकों की कई समस्याएं लम्बित है। उन्होंने कहा कि नवीन यू. जी. सी. वेतनमानों का एरियर बकाया है, यू.जी.सी. रेगूलेशन के अनुसार महाविद्यालय शिक्षकों के पदनाम असिस्टेंट प्रोफेसर व एसोसिएट प्रोफेसर नहीं किये गये है। सेवानिवृत्ति आयु भी राज्य सरकार ने 65 वर्ष नहीं की है, परिवीक्षा काल में सम्पूर्ण परिलाभ नियुक्ति की तिथि से ही दिये जाने चाहिये, शिक्षा सेवा में से ही निदेशक होना चाहिये। उन्होंने मांग की कि सरकार शिक्षकों की न्यायोचित माँगों के प्रति संवेदनशील होने का सबूत दे व सड़कों पर आये शिक्षक प्रतिनिधियों से वार्ता करें तथा उनके ज्ञापन में जो 16-17 मांगे हैं उन पर विचार कर निर्णय करें। डॉ. फूलचन्दजी भिण्डा ने कहा कि आज राजस्थान के सम्पूर्ण उच्च शिक्षा के अधिकारी सड़कों पर है जिसका कारण सरकार की उदासीनता है। 1300 रिट हाईकोर्ट में सरकार के खिलाफ मंजूर हो चुकी है, चार एस. एल. पी. सुप्रीम कोर्ट में खारिज हो चुकी है सरकार सुनती नहीं है। उच्च शिक्षा सेवा संवर्ग नहीं है, 399 करोड़ रुपये का बिल यू.जी.सी. में पड़ा है, लेकिन सरकार इसको ला नहीं पा रही है, इस कारण 40 प्रतिशत एरियर का भुगतान नहीं हो रहा है, उच्च शिक्षा में आर.ए.एस. को लगाने से उच्च शिक्षा की तौहीन हो रही है। प्रो. वासुदेवजी देवनानी ने विभागीय पदोन्नति नहीं होने, महाविद्यालयों में प्राचार्यों, उपाचार्यों व प्राध्यापकों के पद रिक्त होने की बात उठाई। उन्होंने सरकार को याद दिलाते हुए बताया कि आज रुक्टा (रा.) के शिक्षक प्रदर्शन कर रहे है, आपने अपने वादों के अनुसार यू.जी.सी. की सम्पूर्ण योजना को लागू नहीं किया न ही एरियर का भुगतान किया। 14 मार्च को प्रो. देवनानीजी ने पुनः उच्च शिक्षा की विभिन्न समस्याओं पर बोलते हुए कहा कि पिछले 11 मार्च को रुक्टा (रा.) की तरफ से शिक्षकों की मांगों को लेकर प्रदर्शन हुआ। उच्च शिक्षा मंत्रीजी से भी शिक्षकों का प्रतिनिधि मंडल मिला। भारत सरकार के गजट व एम.एच.आर.डी. के स्पष्ट दिशानिर्देशों के बावजूद राज्य सरकार पदनाम क्यों नहीं दे रही है? शिक्षकों को यू.जी.सी. के बकाया एरियर का भुगतान भी शेष है। शिक्षकों की अन्य लम्बित मागों पर भी राज्य सरकार से शीघ्र निर्णय लेने की मांग प्रो. देवनानीजी ने की। श्री ज्ञानदेवजी आहुजा ने भी श्री कालीचरणजी सर्राफ, श्री फूलचन्दजी भिण्डा व प्रो. वासुदेवजी देवनानी की बातों का समर्थन करते हुए राज्य सरकार से शिक्षकों की मांगों को शीघ्र हल करने का आग्रह किया।

12. **प्रेरणादायक उपस्थिति :** संगठन को सदैव ही अग्रजों का आशीर्वाद एवं मार्गदर्शन प्राप्त होता रहा है जिससे संगठन एवं कार्यकर्ताओं को प्रेरणा प्राप्त होती है। 11 मार्च को प्रदर्शन स्थल पर शैक्षिक मंथन के प्रधान सम्पादक प्रो. संतोष पाण्डेय, शैक्षिक महासंघ के अध्यक्ष प्रो. विमल प्रसाद अग्रवाल, महासंघ के महामंत्री प्रो. जे.पी. सिंघल, महासंघ के संगठनमंत्री श्री महेन्द्र कपूर, पूर्व प्राचार्य डॉ. दुर्गाप्रसाद अग्रवाल, डॉ. श्याम सुन्दर भट्ट सहित कई पूर्व प्राचार्यों एवं सेवानिवृत्त शिक्षकों की उपस्थिति ने नई पीढ़ी को अनवरत कार्य करने का संदेश दिया, एतदर्थ संगठन आभार व्यक्त करता है।

13. **कार्यकर्त्ता अभ्यास वर्ग मई में त्रिवेणी धाम, चिमनपुरा में आयोज्य :** सम्पूर्ण राज्य में संगठन का कार्य प्रवाह कार्यकर्ताओं के समर्पण एवं निष्ठापूर्वक योगदान से निरन्तर वृद्धिमान हुआ है। संगठन की लम्बी यात्रा में पुराने कार्यकर्ताओं की टोली में नए कार्यकर्ताओं का जुड़ाव भी होता गया है। विभिन्न प्रकार की चुनौतियों एवं परिवर्तनों का सामना करते हुए संगठन के विचार एवं कार्य को आगे बढ़ाने के लिए समय-समय पर कार्यकर्ताओं का योग्य प्रशिक्षण अपनी पद्धति में रहा है। इस बार प्रदेश कार्यकर्ता अभ्यास वर्ग दिनांक 14 मई रात्रि से 16 मई अपराह्न तक त्रिवेणी धाम, चिमनपुरा में रखा गया है। इस अभ्यास वर्ग में प्रान्तीय कार्यकारिणी, विभागीय समितियों सहित अन्य सक्रिय सदस्य अपेक्षित रहेंगे। अभ्यास वर्ग पूर्णतः आवासीय रहेगा। अपेक्षित संभागियों को अलग से सूचित किया जा रहा है।

14. **वर्ष प्रतिपदा कार्यक्रम :** चैत्र शुक्ल १ (इस बार 11 अप्रेल) से अपने नववर्ष विक्रम संवत् २०७० युगाब्द ५११५ का पावन आरंभ होने जा रहा है। अपना समाज इसी पंचाग के अनुसार व्रत-त्यौहार, मुहूर्त आदि मानता रहा है तथा इसकी वैज्ञानिकता भी काल सिद्ध है। तथापि पाश्चात्य प्रभाव एवं अंधानुकरण के चलते 31 दिसम्बर की गहन सर्द रात्रि में ''हेप्पी न्यू ईयर'' की अवधारणा समाज के एक वर्ग में व्याप्त हुई है। पूर्णतः वैज्ञानिक, अपनी संस्कृति की जड़ों से जोड़ने वाला एवं चैत्र शुक्ल एकम की पवित्र आनंदमय प्रभात में उल्लास से प्रारंभ होने वाला अपना

नववर्ष सर्वव्यापी समाजोत्सव बने, इस हेतु अपनी ईकाइयों द्वारा रचनात्मक कार्यक्रम करने का आग्रह है। इस हेतु संगोष्ठी, तिलक, शुभकामना, लेख, एस एम एस, ध्वनि एवं पत्र संदेश, सेवा कार्य, स्नेह मिलन सहित अन्य कार्यक्रम किये जा सकते हैं। अपनी इकाई के द्वारा कार्यक्रम संपादित होने के पश्चात् फोटो सहित रिपोर्ट महामंत्री को प्रेषित करने का निवेदन है।

15. **प्राचार्यों व उपाचार्यों की विभागीय पदोन्नति बैठक सम्पन्न :** 25 मार्च 2013 व 4 अप्रेल 2013 को राजस्थान शिक्षा सेवा (महाविद्यालय शाखा) की स्नातकोत्तर प्राचार्यों, स्नातक प्राचार्यों व उपाचार्यों के लिए विभागीय पदोन्नति बैठक सम्पन्न हुई। संगठन ने सरकार से आग्रह किया है कि पदोन्नत अधिकारियों का शीघ्र पदस्थापन किया जाए। उल्लेखनीय है कि 11 मार्च 2013 को विधानसभा प्रदर्शन के दौरान संगठन ने सरकार से मांग की थी कि विभागीय पदोन्नति बैठक शीघ्र सम्पन्न करवाई जाए।

इकाईयों से समाचार

अलवर में शैक्षिक संगोष्ठी सम्पन्न : राजर्षि राजकीय महाविद्यालय, अलवर की रुक्टा (रा.) इकाई के तत्वावधान में विवेकानंद सार्द्धशती वर्ष में शैक्षिक संगोष्ठी का आयोजन 5 मार्च 2013 को किया गया, जिसका विषय ''भारतीय शिक्षा में विवेकानंद दर्शन'' था। संगोष्ठी के मुख्य वक्ता शैक्षिक महासंघ के अध्यक्ष डॉ. विमल प्रसाद अग्रवाल ने कहा कि आधुनिक भारतीय शिक्षा देश काल के संदर्भों से जुड़ी होनी चाहिये, सभी विषयों में भारतीय चिंतन का समावेश किया जाना चाहिये। कार्यक्रम अध्यक्ष शैक्षिक महासंघ के महामंत्री प्रो. जे. पी. सिंघल ने कहा कि स्वामी विवेकानंद का शैक्षिक चिंतन आज भी प्रांसगिक है। रुक्टा (रा.) के संयुक्त मंत्री डॉ. गंगाश्याम गुर्जर ने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि शैक्षिक संगोष्ठी के माध्यम से स्वामीजी के विचारों का शिक्षक समाज में सम्प्रेषण होगा। संगोष्ठी में अलवर जिले के सभी महाविद्यालयों से शिक्षकों ने भाग लिया। डॉ. शशिकांत गुप्ता ने सभी का आभार व्यक्त किया।

भरतपुर में शिक्षकों की समस्याओं पर चर्चा : 6 मार्च को एम.एस.जे. महाविद्यालय, भरतपुर की स्थानीय इकाई की बैठक सम्पन्न हुई। इसमें प्रांतीय कार्यकारिणी सदस्य डॉ. सतीश त्रिगुणायत ने शिक्षकों की लम्बित समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की व 11 मार्च को प्रदर्शन हेतु सभी से चलने का आग्रह किया। शैक्षिक महासंघ के डॉ. विमल प्रसाद अग्रवाल ने शिक्षकों की लम्बित समस्याओं पर राज्य सरकार के उपेक्षापूर्ण व्यवहार पर चिंता व्यक्त की व कहा कि शिक्षकों को अपनी न्यायोचित मांगों के प्रति अपने संवैधानिक अधिकारों के तहत प्रदर्शन में भाग लेना चाहिये। कार्यक्रम का संचालन डॉ. अनिल सक्सेना ने किया।

शिक्षकों की समस्याओं पर मुख्यमंत्रीजी को ज्ञापन : एम. एस. जे. महाविद्यालय, भरतपुर की रुक्टा (रा.) इकाई द्वारा मुख्यमंत्रीजी को 8 फरवरी को ज्ञापन देकर शिक्षकों की समस्याओं पर शीघ्र कार्यवाही का आग्रह किया गया। शिष्ट मंडल में डॉ. सतीश त्रिगुणायत, डॉ. अनिल सक्सेना, डॉ. जग्गोसिंह, डॉ. मानवेन्द्र चतुर्वेदी, डॉ. सुनील गुप्ता, डॉ. गोविन्द चरोरा सम्मिलित थे।

सुखद ग्रीष्मावकाश की मंगलकामनाओं के साथ

भवदीय

(डॉ. नारायणलाल गुप्ता)
[महामंत्री]

20, चित्रकूट कॉलोनी,
माकड़वाली रोड़, अजमेर-305004

अमृत वचन

शिक्षा का अर्थ दिमाग में ठूँसी हुई ऐसी जानकारियों का ढेर नहीं है, जो आजीवन अनपची रहकर गड़बड़ी पैदा करती रहे। जिस शिक्षा से हम अपना जीवन निर्माण कर सकें, मनुष्य बन सकें, चरित्र-गठन कर सकें और विचारों का सामंजस्य कर सकें, वही वास्तव में शिक्षा कहलाने योग्य है। - स्वामी विवेकानंद